Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________

(In words)

Test Booklet No.

D-1809

Time : **2 $^1/_2$** hours]

PAPER-III
MAITHILI

[Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32**

Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....

MAITHILI
मैथिली

Paper-III
प्रश्नपत्र-III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. Candidates are required to answer all questions in Maithili only.

नोट : प्रस्तुत प्रश्न-पत्र **दू सय (200)** अंकक अछि एवं एहिमे **चारि (4)** खण्ड अछि । अभ्यर्थीकेँ एहिमे समाहित प्रश्नक उत्तर फरांकसें देल गेल विस्तृत निर्देशक अनुसार देबाक छनि । सब प्रश्नक उत्तर मैथिली में देबाक अछि ।

Section – I
खण्ड – I

Note : This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and each carries **five (5)** marks. **(5 × 5 = 25 Marks)**

नोट : एहि खण्डमे निम्नलिखित गद्यांश पर देल-गेल **पाँच (5)** प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग **तीस (30)** शबदमे अपेक्षित अछि । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अङ्कक अछि । **(5 × 5 = 25 अंक)**

मैथिल समाज किछु नवीन संगठित समाज नहि थीक । पुराण किंवा अन्यान्य धार्मिक ग्रंथमे एहि समाजक संगठन बहुत प्राचीन कालसँ पाओल जाइत अछि किन्तु ताहि कालक सामाजिक स्थिति आओर आइ काल्हुक स्थितिमे आकाश पातालक अन्तर अछि । कारण जे ओहि कालक समाजनियन्ता लोकनि पूर्ण त्यागी, स्वार्थरहित आओर समाजक यथार्थ मङ्गलाकांक्षी छलाह । अनवरत समाजक हितकामनामे तत्पर रहैत छलाह । किन्तु आइ काल्हुक समाज नेता तँ नेतृत्वकेँ व्यवसाय बुझैत छथि । समाज रसातल जाथु वा नरक किन्तु हम ओ हमर बाल-बच्चा सुख पूर्वक रहओ ! हाय स्वार्थ ! यदि तोहरा उन्नतिक राहु कही तँ अत्युक्ति नहि । नहि-नहि, राहु तँ बहुत दूर आकाशमे रहैत अछि किन्तु ई तँ लगहिँ राजा, महाराजा प्रभृति लोकनिक हृदयाकाशमे पाओल जाइत अछि वैह समाज उन्नतशील एवं दृढ़ रहैत अछि जे सुचारु रूपेँ सुसंस्कृत सामाजिक बन्धनसँ आबद्ध रहैत अछि । आर्ष निर्धारित नियमानुकूल चलबे समाजकेँ गौरवान्वित एवं आदर्श बनबैत अछि । खेद जे जाहि मैथिल (याज्ञवल्क्य प्रभृति) क निर्धारित मार्ग पर चलि सबहिँ क्यो अपनाकेँ पवित्र एवं उच्चादर्श बुझैत छलाह तनिके वंशधर हमरा लोकनि मैथिल कहबितो ओहि मार्गक उपेक्षाके उच्छृंखल जकाँ कुमार्गगामी भऽ रहल छी । कहू, एहना स्थितिमें हमरा लोकनिक ई दुर्दशा किऐक नहि हो ? आर्ष कहैत छथि जे बाल-विवाह नहि होएबाक थीक किन्तु हमर समाज बहुत अल्प अवस्थामे कन्या-वरकेँ विवाह करा दैत छथि, ओ मना करैत छथि जे बूढ़ किंवा अपरिचित व्यक्तिसँ सम्बन्ध जनु करी किन्तु हमर द्रव्य लालची समाज दूर देशहूँसँ कोनो अदन्त वयस्ककेँ टेबि लऽअबैत छथि । ओ मादक द्रव्यक निषेध लिखने छथि किन्तु हमर सदाचारी समाजकेँ भाड. ओ हफीमक अभ्यास साधारण थिकनी । कतेक लिखू ? धर्मशास्त्र करैत छथि जे पूर्व दिशामे चलू किन्तु हमरा लोकनि पश्चिम दिशामे चलैत छी ।

1. मैथिल समाजक संगठनक संदर्भमे की कहल गेल अछि ?

2. प्राचीन सामाजिक स्थिति एवं आइ काल्हिक स्थितिमे कतेक अन्तर अछि ?

3. आइ-काल्हुक समाज नेता नेतृत्वकेँ की बुझैत छथि ?

4. केहन समाज उन्नतशील रहैत अछि ?

5. आर्ष की करैत छथि ?

Section – II

खण्ड – II

Note : This section contains **fifteen (15)** questions, each to be answered in about **thirty (30)** words. Each question carries **five (5)** marks. **(15 × 5 = 75 Marks)**

नोट : एहि खण्डमे **पाँच-पाँच (5-5)** अंकक **पंद्रह (15)** प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दमे अपेक्षित अछि । **(15 × 5 = 75 अंक)**

6. ज्योतिरीश्वरक काल-विवेचन करू ।

7. प्रमुख कीर्त्तनिञाँ नाटकसँ परिचय कराउ ।

8. मिथिलाभाषा रामायणमे छन्दक विविधता अछि -विवेचन करू ।

9. मनबोधक 'कृष्ण-जन्म'क महत्त्व देखाउ ।

10. चाणक्य महाकाव्यक वर्णन कौशल पर प्रकाश दिअ ।

11. कोनो पाँच उपन्यासकारक कृतिक उल्लेख करू ।

12. कोनो पाँच एकाङ्कीकारक नामोल्लेख करू ।

13. लोकगीतक प्रमुख विशेषतासँ परिचय कराउ ।

14. मैथिलीक प्रमुख पाँच पत्रिकाक चर्चा करू ।

15. मैथिली कथाकाव्यसँ की बुझैत छी ? संक्षेपमे लिखू ।

16. ‘उत्तरा’ खण्डकाव्यक विशेषता देखाउ ।

17. ‘धरती-माता’ कथा-संग्रहक वैशिष्ट्य देखाउ ।

18. ब्रज किशोर वर्मा 'मणिपद्म'क उपन्यासक तात्त्विक विवेचन करू ।

19. मैथिली साहित्यक विकासमे 'वैदेही'क अवदानक समीक्षा करू ।

20. गोविन्द झाक साहित्यिक परिचय संक्षेपमे दिअ ।

Section – III
खण्ड – III

Note : This section contains **five (5)** questions from each of the electives/specialisations. The candidate has to choose only **one** elective/specialisation and answer all the **five** questions from it. Each question carries **twelve** (**12**) marks and is to be answered in about **two hundred** (**200**) words. **(5 × 12 = 60 Marks)**

नोट : एहि खण्डमे प्रत्येक ऐच्छिक एकाइ / विशेषज्ञतासँ **पाँच (5)** प्रश्न अछि । परीक्षार्थीकेँ केवल **एक** ऐच्छिक एकाइ / विशेषज्ञताकेँ चूनि ओहीमेसँ **पाँचो** प्रश्नक उत्तर देबाक अछि । प्रत्येक प्रश्न **बारह (12)** अंकक अछि जकर उत्तर लगभग **दू सय (200)** शब्दमे अपेक्षित अछि । **(5 × 12 = 60 अंक)**

ऐच्छिक / वैकल्पिक-I
विद्यापति

21. विद्यापतिक बहुमुखी प्रतिभा पर प्रकाश दिअ ।

22. विद्यापतिक संस्कृत रचनासँ परिचय कराउ ।

23. विद्यापतिक पदावलीमे अलङ्कार-योजनाक मूल्यांकन करू ।

24. विद्यापति पदावलीमे अभिसारक मार्मिक चित्रण कय गेल अछि – सयुक्ति विवेचन करू ।

25. विद्यापति मुक्तक काव्यक प्रवर्त्तक छथि - एहि कथन पर विचार करू ।

ऐच्छिक / वैकल्पिक-II
चन्दा झा

21. चन्दा झाक अनुसन्धानक महत्त्व निरूपित करू ।

22. कवीश्वर चन्दा झाक व्यक्तित्व पर प्रकाश दिअ ।

23. कवीश्वरक मुक्तक रचनासँ परिचय कराउ ।

24. मिथिलाभाषा रामायणक सुन्दर काण्डमे वर्णित विरहिणी सीताक मनोदशाक उल्लेख करू ।

25. कवीश्वर चन्दा झाकँ युग-प्रवर्त्तक कहल जाइत अछि ।

ऐच्छिक / वैकल्पिक-III
आधुनिक मैथिली नाटक

21. आधुनिक मैथिली नाटकमे चित्रित सामाजिक चेतना पर प्रकाश दिअ ।

22. गोविन्द झाक नाटकक विशेषताक उल्लेख करू ।

23. नाटकक प्रमुख तत्त्वसँ परिचय कराउ ।

24. ‘ओकरा आङनक बारहमासा’क मूल्यांकन करू ।

25. वर्त्तमान समयमे नाटकक लोकप्रियता पर विचार करू ।

ऐच्छिक / वैकल्पिक-IV
आधुनिक मैथिली कविता

21. आधुनिक मैथिली कविताक स्वरूप पर विचार करू ।
22. उदय चन्द्र झा 'विनोद'क कविताक विशेषता देखाउ ।
23. 'कविता-कुसुमाञ्जलि'क मूल्यांकन करू ।
24. आधुनिक कवितामे सामाजिक चेतना पर प्रकाश दिअ ।
25. भुवनजीक प्रगतिवादी दृष्टिकोणसँ परिचय कराउ ।

ऐच्छिक / वैकल्पिक-V
मैथिली कथा-उपन्यास

21. मैथिली कथाक प्रमुख प्रवृत्तिसँ परिचय कराउ ।
22. 'प्रभासक कथा' शीर्षक कथा-संग्रह पर प्रकाश दिअ ।
23. हरिमोहन झाक 'कन्यादान'क विशेषता देखाउ ।
24. शैलेन्द्र मोहन झाक 'मधुश्रावणी'क मार्मिकता पर प्रकाश दिअ ।
25. प्रदीप बिहारीक कथा-शिल्पक विवेचन करू ।

Section – IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of **one** essay type question of **forty** (**40**) marks to be answered in about **one thousand** (**1000**) words on any **one** of the following topics.

(1 × 40 = 40 Marks)

नोट : एहि खण्डमे **चालीस (40)** अंकक निबन्धात्मक प्रश्न अछि, जकर उत्तर लगभग **एक हजार (1000)** शब्दमे कोनो **एक** विषय पर अपेक्षित अछि । **(1 × 40 = 40 अंक)**

26. (क) आधुनिक मैथिली नाटक

(ख) मैथिली खण्डकाव्य

(ग) मैथिली कथा साहित्य

(घ) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(ङ) काव्यक प्रयोजन ।